SDC 791

STATE BANK OF INDIA

Sl. No. 140103

GSR / 001 :

951

RECEIPT

STATE BANK OF INDIA

Mehrauli Road, Gurgaon (01565) Branch Code No.

Received a sum of Rs. 7,14375/-

(Rupees Seven lac, forteen thousand three hundred Seventy five only)

from Smt. / Shri M/s Mega Infra Projects Pvt. Ltd

s/o, d/o, w/o N-A

residing at Ballabgarh for credit to Government of Haryana account towards Stamp Duty.

Date : - 2 APR 2010

Place : GURGAON

(Signatures of Authorised Officer)

विक्रेता राजेन्द्र सिंह वगैरह क्रेता मैसर्स मेगा इन्फ्राप्रोजेक्टस प्रा0 लि0

1— किस्म वसीका	:	बयनामा
2— मालियती	:	1,42,87,500 / — रूपये
3— स्टाम्प	:	7,14,375 / — रूपये
4— गांव / शहर का नाम	:	खेड़की माजरा धनकोट
5— रकबा	:	7 कनाल 12 मरले 4 सरसाई

प्रलेख न: 251

दिनॉक 05/04/2010

डीड सबंधी विवरण

डीड का नाम SALE OUTSIDE MC AREA

तहसील/सब तहसील गुडगांवा गांव/शहर डकी माजरा धनकोट स्थित खेडकी माजरा धनकोट

भवन का विवरण

भूमि का विवरण

चाही 7 Kanal 12.4 Marla

धन सबंधी विवरण

राशि 14,287,500.00 रुपये कुल स्टाम्प डयूटी की राशि 714,375.00 रुपये

स्टाम्प की राशि 714,375.00 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 15,000.00 रुपये पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये

रूपये

Drafted By: H.R.Khatana, Adv.

यह प्रलेख आज दिनॉक 05/04/2010 दिन सोमवार समय बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Rajender Singh पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Atar Singh निवासी Kherki Majra Dhankot, Gurgaon द्वारा पँजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

श्री Rajender Singh, Mamta, Virender Singh, Vivek thru (COURT GUARDIAN), Chetan thru (COURT GUARDIAN), Dharmender Singh, Priyabala, Pinki thru (COURT GUARDIAN), Swati thru (COURT GUARDIAN)

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी thru:- Harsh Mehra क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रूपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी H.R.Khatana पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी Adv. Gurgaon व श्री/श्रीमती/कुमारी S.K.Gupta पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी L.P.Gupta निवासी B-63, New Moti Nagar, N.Delhi ने की। साक्षी न: 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

दिनॉक 05/04/2010

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

6– किस्म अराजी	:	चाही
7– स्टाम्प विक्रेता	:	एस0बी0आई0, महरौली रोड़, गुड़गांव।
8– स्टाम्प नं0 / तारीख	:	कमाक न0 140103 GSR/001/02.04.2010

हमके राजेन्द्र सिंह – विरेन्द्र सिंह – धर्मेन्द्र सिंह पुत्रान व श्रीमती प्रियबाला पुत्री अतर सिंह व श्रीमती ममता विधवा व विवेक – चेतन पुत्रान व पिकीं – स्वाति पुत्रीयान सतेन्द्र निवासीगण खेड़की माजरा धनकोट तहसील व जिला गुडगॉव के है।

जोकि विक्रेतागण श्री विवेक – चेतन पुत्रान व पिकीं – स्वाति पुत्रीयान सतेन्द्र को प्राकृतिक संरक्षक अपनी माता श्रीमती ममता विधवा श्री सतेन्द्र, बजरिए न्यायालय माननीय श्री कृष्ण कुमार गार्डियन जज, गुडगॉव के आदेश केस नं0 208/25–5–2006 दिनांक 16–11–2006 द्वारा यह रजिस्ट्री बयनामा करने के सभी हक हासिल हैं।

जोकि हम वाका मौजा खेडकी माजरा धनकोट, तह0 व जिला गुडगाँव में अराजी खेवट नं0 139 मिन खतौनी नं0 217 मु0 नं0 63, कीला नं0 17(7–7), 18/1(2–8), 24(8–0), किता 3 रकबा 17 कनाल 15 मरले मे से राजेन्द्र सिंह – विरेन्द्र सिंह – धर्मेन्द्र सिंह व श्रीमती प्रियबाला का 18/3195 भाग व श्रीमती ममता व विवेक – चेतन व पिकीं – स्वाति का 4/3195 भाग व खेवट नं0 139 मिन खतौनी नं0 217 मु0 नं0 58, कीला नं0 1/1/2(4–1), 1/2/2 (1–19), किता 2 रकबा 6 कनाल 0 मरले मे से राजेन्द्र सिंह – विरेन्द्र सिंह – धर्मेन्द्र सिंह व श्रीमती प्रियबाला का 288/1080 भाग व श्रीमती ममता व विवेक – चेतन व पिकीं – स्वाति का 72/1080

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
251	2010-2011	1

विक्रेता

क्रेता

गवाह

विक्रेता

Rajender Singh

Mamta

Virender Singh

Priyabala Singh

Dharmender

क्रेता

thru:- Harsh Mehra

गवाह 1:- H.R.Khatana

गवाह 2:- S.K.Gupta

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 251 आज दिनाँक 05/04/2010 को बही नः 1 जिल्द नः 9,753 के पृष्ठ नः 140 पर पँजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द नः 832 के पृष्ठ सख्या 52 से 53 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो नें अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

दिनाँक 05/04/2010

THE SEAL OF GURGAON

भाग व खेवट नं0 81 खतौनी नं0 142 मु0 नं0 58, कीला नं0 2/2 (4–0), में से राजेन्द्र सिंह – विरेन्द्र सिंह – धर्मेन्द्र सिंह व श्रीमती प्रियबाला का 4/5 भाग व श्रीमती ममता व विवेक – चेतन व पिकीं – स्वाति का 1/5 भाग व खेवट नं0 82 खतौनी नं0 143–144 मु0 नं0 63, कीला नं0 13/1/2(5–2), में से राजेन्द्र सिंह – विरेन्द्र सिंह – धर्मेन्द्र सिंह व श्रीमती प्रियबाला का 24/102 व श्रीमती ममता व विवेक – चेतन व पिकीं – स्वाति का 6/102 भाग यानि कि कुल खेवटो मे से कुल बाकदर रकबा 7 कनाल 12 मरला 4 सरसाई के बरूये जमांबदी सन 2003–2004 व इन्तकाल नम्बर 3522, 3532, 3566 तक्सीम व बदर न0 18 द्वारा मालिक व काबिज हैं। जोकि उपरोक्त रकवा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैरसरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरारनामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट ना है, ना ही सरप्लस में है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत अपने किसी कानूनी वारिसान के नाम कोई कोर्ट डिक्री आज से पहले की है। यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है। भूमि से किसी प्रकार की मिट्टी ना उठाई गयी है तथा जमीन का लेवल समतल है। अब विक्रेता को बराये सुधार दीगर जायदाद व जरूरत खानगी व सारे परिवार की सहमति से परिवार की जरूरत पूरा करने के लिये रूपयों की जरूरत है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपनी उपरोक्त आराजी रकबा यानि कि कुल 7 कनाल 12 मरले 4 सरसाई को मय सर्व अधिकार सहित व हक हकूक दाखिली खारिज के बदले मु0 1,42,87,500/– रूप्ये (एक करोड़ बयालिस लाख सत्तासी हजार पाँच सौ रूप्ये केवल) आधे जिनके मुबलिग 71,43,750/– रूपये होते हैं, बाहक: **क्रेता मैसर्स मेगा इन्फ्राप्रोजेक्टस प्रा0 लि0 हाउस न0 – 100, गली न0 – 1, भुदत कालोनी, बल्लबगढ, 121004** को बय व फरोक्त

REGISTRAR
GURGAON

कतई कर दी है। कुल जरे बय बजरिये चैक व नकद वसूल पा लिए है। अब मजकूर खरीदार कम्पनी के जिम्मे किसी किस्म का कोई लेन–देन बाकी नहीं रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदार कम्पनी को उपरोक्त मु0 नं0 63, कीला नं0 17 मिन पूर्व (0–2–4), मु0 नं0 58, कीला नं0 1/1/2 मिन उत्तर (2–0), मु0 नं0 58, कीला नं0 2/2 (4–0), मु0 नं0 63, कीला नं0 13/1/2 मिन पूर्व (1–10), रकबा 7 कनाल 12 मरले 4 सरसाई पर देकर पूर्ण रूप से अपने जैसा मालिक व काबिज बना दिया है। मैंने खरीदार कम्पनी को उपरोक्त किला नम्बरान पर कब्जा दे दिया है। जोकि अभी से पहले सिर्फ मेरा/हमारा कब्जा ही उपरोक्त किला नम्बरान पर था। और उपरोक्त रकबा और किला नम्बरान से मेरे/हमारे अलावा किसी और का ना ही कोई वास्ता था और ना ही किसी और का कब्जा उपरोक्त रकबा और कीला नम्बरान पर था। अब मजकूर खरीदार कम्पनी अराजी मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे विक्रेता को कोई उजर व ऐतराज नहीं होगा। विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा देगा। अगर विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पावे तो मजकूर खरीदार कम्पनी को हक हासिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें विक्रेता को किसी किस्म का कोई उज़र व एतराज ना होगा। आगे भविष्य में रकबा मजकूरा बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार कम्पनी से निकल जावेगा तो विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत की अदायगी की जिम्मेवार रहेंगे। अब मेरा व मेरे किसी वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। मैं व मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। तमाम् रजिस्ट्री खर्चा यानिं स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया है।

THE SEAL OF
REGISTRAR

अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढ़वाकर, सुनकर, हाजिर गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे।

तहरीर तारीखः 05–04–2010

Hem Ram Khatana
Advocate
Gurgaon

ह0 राजेन्द्र सिंह विक्रेता ह0 विरेन्द्र सिंह विक्रेता ह0 धर्मेन्द्र सिंह विक्रेता

ह0 श्रीमती प्रियबाला विक्रेता

ह0 श्रीमती ममता विधवा विक्रेता

ह0 विवेक–चेतन–पिकीं–स्वाति (बजरिए प्राकृतिक संरक्षक श्रीमती ममता) विक्रेता

ह0 क्रेता कम्पनी
हर्ष मेहरा
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

गवाहः 1

Hem Ram Khatana
Advocate
Gurgaon

गवाहः 2

S.K. Gupta
S/o Sh. L.P. Gupta
B-63, New Moti Nagar
N.D

वसीका नं० 251 अति. बही नं० 1
जिल्द नं० 11885 पृष्ठ नं० 16-17
चस्पा किया ... 1
जिल्द नं० 940 ... 71
दिनांक 5-4-10 को दर्ज रजिस्टर
किया गया।

सब रजिस्ट्रार
गुड़गाँव

THE SEAL OF THE SUB REGISTRAR
GURGAON